



भारत का राजपत्र The Gazette of India

आधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 31, 1976 (श्रावण 9, 1898)
No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 31, 1976 (SRAVANA 9, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग III—खण्ड 4

PART III—SECTION 4

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय कार्यालय,

बम्बई, दिनांक 14 जून 1976

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री एम० के० घोष को केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में दिनांक 31 मई 1976 से उप शाखा निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है ।

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री के० के० बेरी को केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में दिनांक 29 मई 1976 से उप शाखा निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है ।

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री आर० के० सिन्हा को केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में आज से उप शाखा निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है ।

1—179जीआई/76

दिनांक 22 जून 1976

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री हरी मोहन को केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में आज से उप शाखा निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है ।

दिनांक 1 जुलाई 1976

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

सर्वश्री वी० विश्वनाथन्, एम० कृष्णमूर्ति और बी० एस० शाह को केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में उप शाखा निरीक्षक के पद पर क्रमशः दिनांक 30 जून, 1 जुलाई और 1 जुलाई 1976 से किए गए हैं ।

टी० आर० वरदाचारी, प्रबन्धक निदेशक

भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान

नई दिल्ली-1, दिनांक 18 मई 1976

सं० 4 सी० ए० (1) 13/76/77—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर प्राप्त लेखाकार अधिनियम

(1605)

1949 की धारा 20 उपधारा 1 (ग) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्य रजिस्टर में से निर्धारित शुल्क जमान करने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथियों से हटा दिया है :—

क्र० सं०	सं० सं०	नाम एवं तार	तिथि
1.	4602	श्री एस० सी० वेनरजी, 62/3, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता-29।	1-8-75
2.	7630	श्री के० झी० सुसीलान, यूनिवर्सिटी आफ नीगेरिया, एनगू केमपस, एनगू, नीगेरिया।	„
3.	10979	श्री ए० एस० गोदला, 27, गोलजीपन स्ट्रीट, जोरडन एवेन्यू तहरान, ईरान।	„
4.	14400	श्री ए० के० मित्तल, सी-14, टी० डी० सी० कालोनी, पो० आ० हाल्दी, नैनीताल।	„

दिनांक 18 मई 1976

सं० 4 सी० ए० (1)/14/76/77—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1 (ग) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्य रजिस्टर में से निर्धारित शुल्क जमान करने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथियों से हटा दिया है :—

क्र० सं०	सं० सं०	नाम एवं तार	तिथि
1.	712	श्री एस० पी० चौधरी, 49/ए, आनन्द मोहन बोस रोड, कलकत्ता-28।	1-8-75
2.	1947	श्री ए० डी० दवे, इन्स्पेक्टींग एसिस्टेंट कमिश्नर आफ इन्कमटैक्स, ए०-II-रेन्ज, आयकर भवन, फस्ट फ्लोर, कमरा नं० 118, एम० के० रोड, चर्चगेट, बम्बई।	1-8-75

1	2	3	4
3.	2903	श्री एम० के० देव, कमरा नं० 21 और 22, फस्ट फ्लोर 8/2, हेस्टिंग्स स्ट्रीट, कलकत्ता-I।	1-8-75
4.	3851	श्री ए० आई० शेख, के० आ० बैंक आफ इण्डिया, यू० पी० रिजन, मोहिनी मैन्शन 1, नेमाल किशोर रोड, लखनऊ—(यू० पी०)।	1-8-75
5.	5275	श्री सी० आर० आईर, मैसर्स एम० आर० बैंकट-रामन एण्ड क०, 54, जनपथ, नई दिल्ली।	1-8-75
6.	5864	श्री ए० एल० गांधी, 23, फील्ड स्टोन इराईव, हाटस्डाले, न्यू० या० 10530।	1-8-75
7.	5935	श्री पी० डी० त्रिवेदी, 3/12, साऊदरन टाऊनशिप, पो० आ० जवाहर नगर, बड़ौदा।	1-8-75
8.	6690	श्री एम० के० भुवनेश्वरन, 83-33, आस्टिन स्ट्रीट, ए० पी० टी०-34, की गार्डन्स न्यू यारक 11415, यू० एस० ए०।	1-8-75
9.	6982	श्री के० एम० शाह, 71/73, मिन्ट रोड, बम्बई।	1-8-75
10.	7142	श्री एच० के० शाह, मैनेजर कैनारा बैंक लोहा मन्डी, आगरा-2।	1-8-75
11.	7545	श्री आर० एन० गोयल, 42, दुरवान्स रोड, साऊथ हाल, मिडलसेक्स (यू० के०)।	1-8-75

(1)	(2)	(3)	(4)	(1)	(2)	(3)	(4)
12.	9161	श्री आर० बी० मनियार, ए० पी० टी०—1003 80, फोरेस्ट मानर रोड, विलुबडाला, ओन्टारियो कनाडा, एम० 2 जे० आई० एम० जी० ।	1-8-75	22.	13956	श्री के० एल० सोभानी, के० आ० यूगांडा बैंगस और हेसीएन मिल्स लिमिटेड, पो० बा० 105, टोरोए-युगांडा ।	1-8-75
13.	9428	श्री पी० के० गंगोपाध्याय, 1/80, जोधपुर पार्क कलकत्ता-68 ।	1-8-75	23.	14185	श्री टी० आर० चौधरी, चीफ एकाऊन्टेन्ट, अकोला, कोपरेटिव स्पिनिंग मिल्स, अमरावती रोड, अकोला (महाराष्ट्र) ।	1-8-75
14.	10066	श्री के० सी० जानी, मेन रोड, पी० आ० झारिया, धनबाद (बिहार) ।	1-8-75	24.	14255	श्री ए० के० कपूर, एन०-139, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-110048 ।	1-8-75
15.	10262	श्री ए० एस० रवि, डनलप हाऊस, 57-बी० मिजी धालिब स्ट्रीट, कलकत्ता-700016 ।	1-8-75	25.	14308	श्री एस० एन० नानू, 161/1, महात्मा गांधी रोड, तीसरी मंजिल, कमरा नं० 68, कलकत्ता-7 ।	1-8-75
16.	10686	श्री वी० एन० नागप्पा, वर्मा गैल, चीफ एग्जीक्यूटिव आफिसर पो० बा० 688, बम्बई ।	1-8-75	26.	14529	श्री ए० पुरी, हाऊस नं० 49, सेक्टर 4, चण्डीगढ़ ।	1-8-75
17.	11239	श्री पी० टी० एन० नैयर, 350, ब्लीकार स्ट्रीट, ए० पी० टी०, 5-एस० न्यू यार्क-10014 (यू० एस० ए०) ।	1-8-75	27.	14679	श्री आर० जी० बेडजोट, नजदीक म्यूनिसिपल हस्पताल, पो० आ० मालकपुर, जिला बुलदाना ।	1-8-75
18.	11714	श्री डी० वी० राय चौधरी, 357/13, प्रिन्स अममार शाह रोड, कलकत्ता-31 ।	1-8-75	28.	14536	श्री के० के० मित्रा, 48, पिआरे मोहन राय रोड, कलकत्ता-27 ।	1-8-75
19.	12378	श्री ए० एन० सैन, बैलगाचिया बिला, एम० आई० जी० एच०/ एस०, कलकत्ता-37 ।	1-8-75	29.	14729	श्री बी० बी० पान्ड्या, 7, पार्क वियू, एस० वी० रोड, कान्डीवली (बैस्ट) बम्बई-400067 ।	1-8-75
20.	12508	श्री रश्मि खोसला, बैंक रोड, सिविल लार्न्स, सुधियना ।	1-8-75	30.	14811	श्री बी० एल०, अगरवाल, एडिशनल आकाऊन्ट्स आफिसर दी गंगानगर शूगर मिल्स लिमिटेड श्री गंगा नगर	1-8-75
21.	13939	श्री पी० के० मित्रा, 6/1, सिरस्तीधर दत्ता लेन, कलकत्ता-4 ।	1-8-75				

1	2	3	4
31.	14815	श्री ए० के० बजाज, 140, गोल्फ लिंकस, नई दिल्ली-3।	1-8-75
32.	14889	श्री डी० के० सादेकर, पो० बा० 2323, दुबई, (यू० ए० ई०)।	1-8-75
33.	15419	श्री पी० आर० पटेल, निम्नर विठल मंदिर, राधा किरणना का पोल पैलेस रोड, बड़ौदा-390001।	1-8-75
34.	15500	श्री एन० के० शाह, राजेन्द्रा छात्रा भवन, रूम नं० 40, 34/ए० राटू सरकार लेन, कलकत्ता-7।	1-8-75
35.	15598	श्री पी० वी० बाला कृष्णन, 36/9, सैकण्ड स्ट्रीट, आई० सी० एफ० शैल कालोनी, मद्रास-600038।	1-8-75
36.	15684	श्री पूरन बेरी, के० अ० ग्लैक्सो लैबोरेट्रीस (ई०) लिमिटेड, डा० एनी बेसन्ट रोड, बोरभी बाम्बे-400025।	1-8-75
37.	15697	श्री वी० एच० मुन्शी, के० आ० श्री जी० आर० बक्शी, 11, कविता फिरोज शाह स्ट्रीट सान्ता क्रुज, (वेस्ट)। बम्बई-400054।	1-8-75
38.	15811	श्री एस० एस० सेकी, एकाऊन्टस आफिसर रखा कोपर प्रोजेक्ट, हिन्दुस्तान कोपर प्रोजेक्ट हिन्दुस्तान कोपर लिटिड पो० आ० रखा, कोपर प्रोजेक्ट सिन्धुभूम, बिहार।	1-8-75

1	2	2	4
39.	15859	श्री सी० एस० शाह, शान्ति बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, प्लेट नं० 7, बम्बई-400009।	1-8-75
40.	16007	श्री सी० एच० बैन्कटेशन, नं० 15, मरेस गेट रोड, मद्रास-18।	1-8-75
41.	8495	श्री डी० एस० मास्टर, 46-ए०, सूर्या किरन, पान गली, अगस्ट-कान्ती मार्ग, बम्बई-400036।	1-8-75

दिनांक 31 मई 1976

सं० 4 एस० सी० ए० (1)/3/76-77—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर प्राप्त लेखाकार 1949 की धारा 20 उपधारा 1 (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण श्री सी० सिरीनीवासन का नाम 2-7-1974 से हटा दिया है।

सं० सं०	नाम	तिथि
5132	केयर जमीया टैक्सटाइल लिमिटेड, पो० बाक्स 204, लिवगस्टोन, जमबीया।	2-7-74

दिनांक 7 जुलाई 1976

सं० 5 सी० ए० (1)/14/76-77—इस संस्थान की अधि-सूचना सं० 4 सी० ए० (1)/13/76-77 दिनांक 18 मई 1976 के सदर्थ में चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः स्थापित कर दिया है।

क्रम सं०	सं० सं०	नाम एवं पता	तिथि
1.	4602	श्री सुबाल चन्द्रा बैनर्जी, ए० सी० ए०, 62/3, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता-29।	25-6-76

1	2	3	4
2.	7630	श्री के० जी० सुसीलन, ए० सी० ए०, यूनिवर्सिटी आफ नाईजीरिया एनुगु कैम्पस, एनुगु नाईजीरिया ।	22-6-76
3.	10979	श्री एस्पी सोराव गोदला ए० सी० ए०, 27, गोलाजिन स्ट्रीट जोरडान एवेन्यू, तेहरान, ईरान ।	5-7-76
4.	14400	श्री अशोक कुमार मिश्र ए० सी० ए०, सी०-14, टी० डी० सी० कालोनी, पो० आ० हाल्दी, नैनीताल ।	12-6-76

दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० 8 सी० ए० (1)/7/76-77—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10 (1) खंड (तीन) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए प्रेक्टिस प्रमाण-पत्र उनके नामों के आगे दी गई तिथियां से रद्द कर दिए गए हैं क्योंकि वे अपने प्रेक्टिस प्रमाण-पत्रों को रखने के इच्छुक नहीं :—

क्र० सं०	सं० सं०	नाम एवं पता	तिथि
1.	16082	श्री रनजन चक्रावर्ती, ए० सी० ए०, 188-बी०, ब्लॉक, बानगर एवेन्यू, कलकत्ता-700055 ।	5-6-76
2.	161120	श्री जे० टी० शाह, ए० सी० ए०, कंचन गाबरी, हस्पिटल विलडिंग, ग्रैंड फ्लोर, डा० भजीकार स्ट्रीट, सरयार वी० पी० रोड, बम्बई-400004 ।	8-3-76

दिनांक 19 जुलाई 1976

सं० 5 सी० ए० (1)/15/76-77—इस संस्थान की अधि-
सूचना सं० 4 सी० ए० (1)/20/75-76 दिनांक 23-3-76
(2) 4-सी० ए० (1)/17/74-75 दिनांक 6-1-75 (3)

4 सी० ए० (1)/14/76-77 दिनांक 18-5-76 (4) 4 सी० ए० (1)/7/76-77 दिनांक 18-5-76 के सन्दर्भ में चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः स्थापित कर दिया है :—

क्र० सं०	सं० सं०	नाम एवं पता	तिथि
1.	461	श्री शाम दास ऊधाराम मंधीरमलानी, ए० सी० ए०, फ्लैट नं० ए०-12, एम्ब्रोपोलिस, लिटल गिब्स रोड, नं० 3, माला बार हिल्स, बाम्बे-400006 ।	26-6-76
2.	7001	श्री सुबिमल चैटर्जी, ए० सी० ए०, 18-35, 38 स्ट्रीट, एल० आई० सी०, न्यूयार्क-11105 ।	8-7-76
3.	7117	श्री तिजेन्द्रा नाथ धर, ए० सी० ए०, 2, गणेश चन्द्रा एवेन्यू, कलकत्ता-700013 ।	22-6-76
4.	5275	श्री चन्द्रा सेखर राजा अयर, ए० सी० ए०, ए० पी० टी० 320-707, डब्ल्यू०, शेरीडान, चिकागो, इलिनोयस-60613 ।	16-7-76
5.	12508	श्री रक्षित कुमार खोसला, ए० सी० ए०, बैंक रोड, सिविल लाईन्स, लुधियाना ।	29-6-76
6.	14626	श्री रघुनाथ टिबरे वाला, ए० सी० ए०, 36, अश्विनाश सेशमल लेन, कलकत्ता-10 ।	8-7-76

पी० एस० गोपला कृष्णन, सचिव

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1976

सं० 25/14/76-एल० आई०—श्री नूरुल्ला की क्रमांक 135380-पी० एंड 135381-पी० दिनांक 3-4-68 की—रूपए की डाक जीवन बीमा पालिसी उनके/विभाग के संरक्षण से गुम हो गई है। यह सूचित किया जाता है कि उक्त पालिसी का भुगतान रोक दिया गया है। उपनिदेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमेदार के नाम पालिसी की दूसरी प्रति जारी करने के अधिकार दे दिए गए हैं। जनता को चेतावनी दी जाती है कि मूल पालिसी के सम्बन्ध में कोई लेन-देन न करें।

र० ना० डे, निदेशक (डाक जीवन बीमा)

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक जून 1976

सं० एन०-12(13)-4/76 पी० एण्ड डी०—जन साधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने अपनी दिनांक 28-2-76 को हुई बैठक में निम्नलिखित संकल्प पास किया :—

“संकल्प पास किया कि निगम के दिनांक 22-3-69 के संकल्प को जिसके अनुसार क्षय व अन्य कुछ रोगों के लिए विस्तारित बीमारी हितलाभ की स्वीकृति दी गई थी, निम्नलिखित संकल्प के द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया जाएगा :—

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 99 के अन्तर्गत तथा विस्तारित बीमारी हितलाभ के सम्बन्ध में 22-3-1969 को पास किए गए संकल्प का अधिक्रमण करते हुए, विहित शक्तियों के अन्तर्गत, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत मंजूर किया गया बीमारी हितलाभ निम्नलिखित बीमारियों से पीड़ित बीमाकृत व्यक्तियों के लिए निम्नप्रकार विस्तारित किया जाएगा :—

1. उन बीमारियों की सूची जिनके लिए विस्तारित बीमारी हितलाभ प्रारम्भिक रूप में 124 दिन के लिए दिया गया है :—

1. क्षय रोग
2. कोढ़
3. मानसिक रोग (मनोविक्षिप्ति),
4. दुर्दम्य रोग
5. अधरांगघात
6. पक्षाघात
7. चिरकाल से संकुलित क्लिष्टप्लता
8. कच्चा मोतियाबिंद, जबकि प्रभावित नेत्र की वीक्षण शक्ति 6/60 या कम हो
9. फुफुसनालोलन

10. फुफुस का फोड़ा

11. मायोकार्डियल इन्फार्क्शन,

12. अन्तराकशेस्क बिम्ब का विस्थापन और भ्रंश

13. कम्पवात

14. असाध्य रक्तहीनता

15. जलोदर के साथ यकृत का अधितंतु रोग

16. दृष्टिपटल का वियोजन

17. अस्थियां भंग होने पर उसका न जुड़ना, या देर से जुड़ना

18. एम्पाइमा

19. कपाल के भीतर चोट का लगना

20. मेरु-रज्जु सम्पीड़न

21. पुराना (साधारण) प्रारम्भिक ग्लॉकोमा।

उपरोक्त सूची के अतिरिक्त, किसी विरल बीमारी के मामले या विशेष परिस्थितियां जो इस सूची में शामिल नहीं किए गए थे, चिकित्सा आयुक्त को, उप-चिकित्सा आयुक्त/चिकित्सा निदेशी/अधिकृत चिकित्सा अधिकारी या उसके नामित व्यक्ति द्वारा की गई सिफारिशों पर मामले के गुणक्रम के आधार पर विस्तारित बीमारी हितलाभ अधिकतम 309 दिन की अवधि के लिए भुगतान करने की मंजूरी के लिए अधिकृत किया जाए

2. विस्तारित बीमारी हितलाभ का अधिकारी होने के लिए एक बीमाकृत व्यक्ति को किसी फैक्ट्री या स्थापना जिसमें अधिनियम के उपबंध लागू हैं, बीमारी दौर के प्रारम्भ में जिसमें बीमारी का निदान किया गया है, 2 वर्ष या उससे अधिक की अवधि के लिए लगातार नौकरी में होना चाहिए।

बशर्ते कि जहां एक व्यक्ति बीमारी के प्रथम दौर, जिसमें बीमारी निदान की गई है, के सम्बन्ध में विस्तारित बीमारी हितलाभ पाने का पात्र नहीं है तो वह बाद में किसी भी बीमारी दौर में विस्तारित बीमारी हितलाभ के पाने से वंचित नहीं किया जाएगा अगर वह उस दौर के सम्बन्ध में दो साल की लगातार नौकरी की शर्त पूरी करता हो।

इसके लिए “बीमारी के दौर” से अभिप्राय कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के अन्तर्गत जारी किए गए प्रथम प्रमाण-पत्र के प्रारम्भ से प्रमाणित असमर्थता तथा समाप्त होने वाली अन्तिम प्रमाण-पत्र की अवधि से है।

स्पष्टीकरण

नौकरी लगातार रखी जाएगी :—

(क) नियत दिवस से पहले की अवधि के लिए अगर बीमाकृत व्यक्ति लगातार नौकरी में या जैसा कि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 25 (ख), जो 1964 के अधिनियम 36 द्वारा संशोधित किया गया है, में परिभाषित किया गया है।

(ख) नियत दिवस के बाद की अवधि के लिए, अगर बीमाकृत व्यक्ति ने सम्बन्धित तिथि से पूर्व 4 अंशदान अवधि समाप्त कर ली है तथा उपरोक्त 4 अंशदान अवधियों में से किसी भी 3 अंशदान अवधियों में बीमारी हितलाभ के लिए अंशदायी शर्तें पूरी कर ली हैं।

3. विस्तारित बीमारी हितलाभ तभी मंजूर किया जाएगा जबकि बीमाकृत व्यक्ति अन्यथा उपरोक्त के अनुसार विस्तारित बीमारी हितलाभ के लिए पात्र है तथा उसने धारा 49 के दूसरे परन्तुक के अन्तर्गत देय बीमारी हितलाभ समाप्त कर लिया है या कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की धारा 47 के अनुसार बीमारी हितलाभ के लिए पात्र नहीं है।

4. प्रारम्भ में बीमारी हितलाभ 124 दिन की अवधि के लिए देय होगा जिसे निवासी उपचिकित्सा आयुक्त/चिकित्सा निदेशी/प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी (राज्य में क० रा० बी० योजना के मुख्य कार्यकर्ता या उसके नामित व्यक्ति) द्वारा विशेषज्ञ की रिपोर्ट पर जहां कार्य से अनुपस्थिति की किसी भी सूची में दिखाई गई बीमारी के लिए 124 दिन से अधिक की अवधि के लिए सिफारिश की गई है, पुराने उपयुक्त मामलों में 309 दिन तक विस्तारित किया जा सकता है।

5. कच्चा मोतियाबिन्द, जबकि प्रभावित नेत्र की वीक्षण शक्ति 6/60 या कम हो में पक्का मोतियाबिन्द, मोतियाबिन्द का आपरेसन तथा आप्रेशन के बाद का उपचार सम्मिलित है।

6. एक विस्तारित बीमारी हितलाभ की अवधि श्वय रोग की अवस्था में प्रमाणित असमर्थता के दौर के प्रारम्भ की तिथि से 3 वर्ष के लिए होगी तथा आय बीमारियों की अवस्था में बीमारी के निदान की तिथि से जिसके लिए कि एक बीमाकृत व्यक्ति विस्तारित हितलाभ का हकदार होता है।

7. 124 दिन की अवधि तथा जहां इसको 309 दिन के लिए विस्तारित किया गया है उसका लगातार होना जरूरी नहीं है तथा इस अवधि में उन दिनों को शामिल नहीं किया जाएगा जिनके लिए एक बीमाकृत व्यक्ति मानक दर पर बीमारी हितलाभ के लिए पात्र है।

8. एक विस्तारित बीमारी हितलाभ की अवधि के अन्तर्गत विस्तारित बीमारी हितलाभ की दर मानक हितलाभ की दर से जोकि अधिनियम के अन्तर्गत पिछली बार बीमारी हितलाभ के लिए देय था 25% अधिक होगी जिसको कि उच्च बहु-गुणित पांच पैसों में परिवर्तित कर दिया जाएगा :—

यह दिनांक 1-4-1976 से लागू होगा और उसका निम्न प्रकार से प्रभाव दिया जाएगा :—

(i) विस्तारित बीमारी हितलाभ के सभी मामलों में जो 1-4-1976 या उसके बाद उत्पन्न होते हैं, बड़ी हुई दर पर हितलाभ देय होगा।

(ii) 1-4-1976 को जिन बीमाकृत व्यक्तियों के विस्तारित बीमारी हितलाभ के मामले चालू हैं तथा जिन बीमाकृत व्यक्तियों ने पहले से ही विस्तारित बीमारी हितलाभ समाप्त नहीं किया है, 1-4-1976 से बड़ी दर पर हितलाभ के लिए हकदार होंगे।

(iii) जिन बीमाकृत व्यक्तियों को उनकी पात्रता के बारे में 1-4-1976 से पूर्व निर्णय न होने के कारण विस्तारित बीमारी हितलाभ नहीं मिला है वे भी केवल 1-4-1976 से ही बड़ी दर पर हितलाभ पाने के पात्र होंगे।

9. विस्तारित बीमारी हितलाभ तभी देय होगा जबकि बीमारी सूची के पैरा 1 में दिखाई गई किसी भी बीमारी को अधिनियम तथा विनियमों के अनुसार विधिवत प्रमाणित किया गया है।

10. एक विस्तारित बीमारी हितलाभ की अवधि के समाप्त होने के पश्चात् एक बीमाकृत व्यक्ति अगर वह फिर से पैरा-2 में दिखाई शर्तों को पूरा कर लेता है तो फिर से विस्तारित बीमारी हितलाभ के लिए पात्र बन सकता है, बशर्ते कि 2 साल की लगातार रोजगार की शर्त, किसी तिथि को विस्तारित बीमारी हितलाभ अवधि के समाप्त होने की आगामी तिथि को पूरी कर ले जहां कि असमर्थता पैरा-2 में दिखाई गई किसी भी बीमारी के कारण अवधि समाप्त होने की तिथि को जारी थी।

11. विस्तारित बीमारी हितलाभ अवधि किन्हीं भी 2 बीमारियों के लिए समवर्ती नहीं चलेगी।

12. पैरा 1 के अन्तर्गत किसी भी बीमारी के लिए विस्तारित बीमारी हितलाभ की मांग करने के लिए प्रत्येक बीमारी के लिए पैरा 2 में दी गई योग्यता शर्तें का अलग-अलग पूरा करना आवश्यक है।

13. अगर कोई बीमाकृत व्यक्ति दवाइयों/इन्जेक्शनों के प्रयोग के कारण उत्पन्न असमर्थता से पीड़ित है तो महानिदेशक मामले के गुणक्रम के आधार पर शर्तों को लागू करके अधिकतम 309 दिन की अवधि या जब तक असमर्थता बनी रहे, जो भी जल्दी हो, सामान्य बीमारी हितलाभ के अलावा, पैरा 8 के अनुसार जिस दर पर बीमाकृत व्यक्ति को विस्तारित बीमारी हितलाभ देय है असमर्थता प्रमाणित होने के आधार पर विस्तारित बीमारी हितलाभ मंजूर कर सकता है। विस्तारित बीमारी हितलाभ की योग्यता के निर्धारण के लिए उपरोक्त पैरा 2 में दिए गए 2 साल की लगातार नौकरी की लागू शर्त इन मामलों में लागू नहीं होगी।

14. अगर इस प्रस्ताव के किसी विशेष उपबन्ध के लागू करने से पैरा 5 के अन्तर्गत आने वाले मामलों सहित, बीमाकृत व्यक्ति को कुछ कठिनाई होती है तो महानिदेशक द्वारा मानकीय आधार पर उसमें छूट दी जा सकती है।

15. यह प्रस्ताव दिनांक 1-4-1976 से लागू होगा तथा इसके निम्नलिखित प्रभाव होंगे :—

- (i) निगम के दिनांक 22-3-1969 के संकल्प में प्रारम्भिक सूची में समूह क तथा ख में दिखाई गई बीमारियों में से बीमाकृत व्यक्ति को किसी भी बीमारी से पीड़ित होने पर तथा जो उपरोक्त तिथि से पूर्व शुरू हुए दौर में विस्तारित बीमारी हितलाभ पाने के हकदार थे, दिनांक 22-3-1969 के पुराने संकल्प के अनुसार जब तक दौर समाप्त होता है 3 वर्ष की विस्तारित बीमारी हितलाभ अवधि में तथा यथा स्थिति 124/309 दिन तक विस्तारित बीमारी हितलाभ के हकदार रहेंगे।
- (ii) निगम के दिनांक 22-3-1969 के संकल्प के अनुसार सभी पुराने मामलों में जो विस्तारित बीमारी के पात्र नहीं हैं, पुनर्विचार नहीं किया जाएगा।”

टिप्पणी :—हिन्दी अनुवाद में किसी प्रकार की भिन्नता होने पर अंग्रेजी में लिखित विवरण को ही शुद्ध माना जाए।

सं० एन० 17/13/76-II पी० एण्ड टी० (10)—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 5 के उप विनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक ने यह निश्चय किया है कि राज्य सरकार उड़ीसा की अधिसूचना सं० आई० बी० एस०/4/41/76/एल० ई० एच० दिनांक 22 जून, 1976 जोकि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 की धारा 1 की उपधारा (5) के अन्तर्गत अधिनियम के उपबन्धों का उन स्थापनाओं पर विस्तार करने के लिए जारी किया गया था जोकि अधिसूचना में निर्दिष्ट हैं तथा उन स्थापनाओं में वर्ग 'क', 'ख' तथा 'ग' के लिए प्रथम अंशदान एवं प्रथम लाभ अवधियां नियत दिवस 3 जुलाई, 1976 की मध्य रात्रि को बीमा योग्य रोजगार में लगे व्यक्तियों के लिए प्रारम्भ व समाप्त होंगी, जैसा कि निम्न सूची में दिया गया है :—

वर्ग	प्रथम अंशदान अवधि		प्रथम लाभ अवधि	
	जिस मध्य रात्रि को प्रारम्भ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि को प्रारम्भ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है
क	3-7-76	29-1-77	2-4-77	29-10-77
ख	3-7-76	25-9-76	2-4-77	25-6-77
ग	3-7-76	27-11-76	2-4-77	27-8-77

टिप्पणी :—हिन्दी अनुवाद में किसी प्रकार की भिन्नता होने पर अंग्रेजी में लिखित विवरण को ही शुद्ध माना जाए।

सं० एन० 17/13/76-II पी० एण्ड टी० (11)—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 5 के उप विनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक ने यह निश्चय किया है कि राज्य सरकार उड़ीसा की अधिसूचना सं० आई० बी० एस०/4/41/76/एल० ई० एच० दिनांक 22-6-1976 जोकि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 की धारा 1 की उपधारा (5) के अन्तर्गत अधिनियम के उपबन्धों का उन स्थापनाओं पर विस्तार करने के लिए जारी किया गया था जोकि अधिसूचना में निर्दिष्ट हैं तथा उन स्थापनाओं में वर्ग 'क', 'ख' तथा 'ग' के लिए प्रथम अंशदान एवं प्रथम लाभ अवधियां नियत दिवस 4 सितम्बर, 1976 की मध्य रात्रि को बीमा योग्य रोजगार में लगे व्यक्तियों के लिए प्रारम्भ व समाप्त होंगी, जैसा कि निम्न सूची में दिया गया है :—

वर्ग	प्रथम अंशदान अवधि		प्रथम लाभ अवधि	
	जिस मध्य रात्रि को प्रारम्भ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि को प्रारम्भ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है
क	4-9-76	29-1-77	4-6-77	29-10-77
ख	4-9-76	26-3-77	4-6-77	31-12-77
ग	4-9-76	27-11-76	4-6-77	27-8-77

टिप्पणी :—हिन्दी अनुवाद में किसी प्रकार की भिन्नता होने पर अंग्रेजी में लिखित विवरण को ही शुद्ध माना जाए।

सं० एन० 17/13/76-II पी० एण्ड टी० (12)—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम, 1950 के विनियम 5 के उप विनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक ने यह निश्चय किया है कि राज्य सरकार पं० बंगाल की अधिसूचना सं० 2480-1/55/2 एच०-45/74 दिनांक 21-6-1976 जो कि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 की धारा 1 की उपधारा (5) के अन्तर्गत अधिनियम के उपबन्धों का उन स्थापनाओं पर विस्तार करने के लिए जारी किया गया था जोकि अधिसूचना में निर्दिष्ट हैं तथा उन स्थापनाओं में वर्ग 'क', 'ख' तथा 'ग' के लिए प्रथम अंशदान एवं प्रथम लाभ अवधियां नियत दिवस 31-7-1976 की मध्य

रात्रि को बीमा योग्य रोजगार में लगे व्यक्तियों के लिए प्रारम्भ व समाप्त होगी, जैसा कि निम्न सूची में दिया गया है :—

वर्ग	प्रथम अंशदान अवधि		प्रथम लाभ अवधि	
	जिस मध्य रात्रि को प्रारम्भ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि को प्रारम्भ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है
क	31-7-76	29-1-77	30-4-77	29-10-77
ख	31-7-76	25-9-76	30-4-77	25-6-77
ग	31-7-76	27-11-76	30-4-77	27-8-77

टिप्पणी :—हिन्दी अनुवाद में किसी प्रकार की भिन्नता होने पर अंग्रेजी में लिखित विवरण को ही शुद्ध माना जाए ।

फकीर चन्द, निदेशक (योजना एवं विकास)

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1976

सं० 1(1)-1/72-स्थापना-1 (संग्रह-2)—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 97 की उपधारा (1) जोकि उपधारा (2) तथा 2 (क) के खण्ड (XXI) और धारा 17 की उपधारा (2) के साथ पठित है, के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम, केन्द्रीय सरकार की अनुमति से निम्न विनियम कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कर्मचारी वर्ग तथा सेवा की शर्तें) विनियम, 1959 में और आगे संशोधन करने के लिए बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कर्मचारी वर्ग तथा सेवा की शर्तें) संशोधन विनियम, 1976 कहे जा सकेंगे ।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे ।

2. कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कर्मचारी वर्ग तथा सेवा की शर्तें) विनियम, 1959 में विनियम 8 के उप विनियम (5) की धारा (vii) के स्थान पर निम्नलिखित धारा प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

2—179GI/76

“(vii) स्थानीय सरकार या भारत वर्ष की केन्द्रीय सरकार या राष्ट्रपति का अभिप्राय “निगम की स्थायी समिति” से है ।”

टिप्पणी :—हिन्दी अनुवाद में किसी प्रकार की भिन्नता होने पर अंग्रेजी में लिखित विवरण को ही शुद्ध माना जाये ।

दिनांक 14 जुलाई 1976

सं० 1(1)-1/72 स्थापना-1 (संग्रह-2)—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 97 की उपधारा (1) जोकि उपधारा (2) तथा 2(क) के खण्ड (XXI) और धारा 17 की उपधारा (2) के साथ पठित है, के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कर्मचारी राज्य बीमा निगम, केन्द्रीय सरकार की अनुमति से निम्न विनियम, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कर्मचारी वर्ग तथा सेवा की शर्तें) विनियम, 1959 में और आगे संशोधन करने के लिए बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कर्मचारी वर्ग तथा सेवा की शर्तें) संशोधन विनियम, 1976 कहे जा सकेंगे ।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे ।

2. कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कर्मचारी वर्ग तथा सेवा की शर्तें) विनियम, 1959 में :—

(1) विनियम 7 में :—

(क) शीर्ष में “अनिवार्य निवृत्ति” शब्दों के स्थान पर “निवृत्ति” शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

(ख) उप विनियम (2) में “अनिवार्यतः निवृत्त दिया जाएगा” के स्थान पर “निवृत्त होगा या निवृत्त किया जाएगा” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे, तथा

(ग) दूसरी अनुसूची में जहां भी “अनिवार्य निवृत्ति” शब्द है, उनके स्थान पर “निवृत्ति” शब्द प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

टिप्पणी :—हिन्दी अनुवाद में किसी प्रकार की भिन्नता होने पर अंग्रेजी में लिखित विवरण को शुद्ध माना जाए ।

टी० एन० लक्ष्मीनारायणन, महानिदेशक

STATE BANK OF INDIA,
CENTRAL OFFICE

Bombay, the 14th June 1976

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri M. K. Ghosh has been appointed as Dy Branch Inspector on the Central Office Staff as from the 31st May 1976.

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri K. K. Berri has been appointed as Deputy Branch Inspector on the Central Office Staff as from the 29th May 1976.

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri R. K. Sinha has been appointed as Deputy Branch Inspector on the Central Office Staff as from today.

The 22nd June 1976

The following appointment on the Bank's staff is hereby notified :—

Shri Hari Mohan has been appointed as Dy. Branch Inspector on the Central Office Staff as from today.

The 1st July 1976

The following appointments on the Bank's staff are hereby notified :—

Sarvashri V. Viswanathan, M. Krishnamurthy and B. S. Shah have been appointed as Deputy Branch Inspectors on the Central Office staff as from 30th June, 1st July and 1st July 1976 respectively.

T. R. VARADACHARY
Managing Director.

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF
INDIA

New Delhi-110001, the 18th May, 1976

No. 4-CA(1)/13/76-77. —In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (C) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute with effect from 1st August, 1975 on account of nonpayment of the prescribed fees, the names of the following members.

S. No.	Mem-ber-ship No.	Name and Address.
1.	4602	Shri S. C. Banerjee, 62/3, Hindustan Park, Calcutta-29.
2.	7630	Shri K. G. Suseclan, University of Nigeria, Enugu Campus, ENUGU, NIGERIA.
3.	10979	Shri A. S. Gotla, 27, Golazin Street, Jordan Avenue, Tehran, IRAN.
4.	14400	Shri A. K. Mittal, C-14, T.D.C. Colony, P.O. Haldi, Nainital

No. 4-CA(1)/14/76-77—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964 it is hereby notified that in exercise of the Powers conferred by clause (C) of sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute with effect from 1st August, 1975 on account of non payment of the prescribed fees, the names of the following members :

S. No.	Mem-ber-ship No.	Name & Address.
1.	712	Shri S. P. Chowdhury, 49/A, Ananda Mohan Bose Road, Calcutta-28.
2.	1947	Shri A. D. Dave, Inspecting Asstt. Commissioner, of Income-Tax, A-II Range, Aayakar Bhavan, 1st Floor, Room No. 118, M.K. Road, Churchgate, Bombay.
3.	2903	Shri M. K. Deb, Room No. 21 & 22, 1st Floor, 8/2, Hastings St., Calcutta-1.
4.	3851	Shri A. I. Shaikh, C/o Bank of India, U.P. Region, Mohini Mansion, 1, Newal Kishore Road, Lucknow (U.P.).
5.	5275	Shri C. R. Aiyar, M/s. M.R. Venkataraman & Co. 54, Janpath, New Delhi.
6.	5864	Shri A. L. Gandhi, 23, Fieldstone Drive, Hantsdale, N.Y. 10530.
7.	5935	Shri P. D. Trivedi, 3/12, Southern Township, P.O. Jawahar Nagar, Baroda.
8.	6690	Shri M. K. Bhuvaneswaran, 83-33, Austin Street, APT. 34, NEW Gardens, N.Y. 11915.
9.	6982	Shri K. M. Shah, 71/13, Mint Road, Bombay.
10.	7142	Shri H. K. Shah, Manager, Canara Banak, Loha Mandi, Agra-2.
11.	7545	Shri R. N. Goel, 42, Durdans Road, South Hall, MIDDLESEX U.K.) .
12.	9161	Shri R. V. Maniar, APT-1003, 80, Forest Manor Road, Willowadalla, ONTARIO Canada M2J 1M6.
13.	9428	Shri P. K. Gangopadhyay, 1/80, Jodhpur Park, Calcutta-68.
14.	10066	Shri K. C. Jani, Main Road, Jharia, Dhanbad (Bihar).

1	2	3	1	2	3	4
15.	10262	Shri A. S. Ravi, Dunlop House, 57-B, Mirza Ghalib St., Calcutta-700 016.	31.	14815	Shri A. K. Bajaj, 104, Golf Links, New Delhi-3.	
16.	10686	Shri .V. N. Nagappa, Burmah Shell, Chief Executive Officer, P.O. Box. 688, BOMBAY.	32.	14889	Shri .D. K. Sadekar, P.O. Box. 2323, DUBAI. (U.A.E.).	
17.	11239	Shri P. T. N. Nair, 350, Bleekar St., APT. 5-S, New York-10014 U.S.A.).	33.	15419	Shri P. R. Patel Near Vithal Mandir, Radhakrishna's Pole, Palace Road, Baroda-390001.	
18.	11714	Shri D. B. Roy Chowdhury, 357/13, Prince Anwar Shah Road, Calcutta-31.	34.	15500	Shri N. K. Sah, Rajendra Chattr Bhavan Room No. 40, 34/A, Ratu Sarkar Lane, Calcutta-7	
19.	12378	Shri A. N. Sen, Belgachia Villa, M.T.G.H./S, Calcutta-37.	35.	15598	Shri P. V. Balakrishnan, 36/9, Second St., I.C.F. Shell Colony, Madras-600 038.	
20.	12508	Shri Rakshit Khosla, Bank Road, Civil Lines, Ludhiana.	36.	15684	Shri Puran Berry, C/o Glaxo Laboratories (I) Ltd., Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 025.	
21.	13939	Shri P. K. Mitra, 6/1, Sristidhar Dutta Lane, Calcutta-4.	37.	15697	Shri L. H. Munshi, C/o Shri G.R. Bakshi, 11, Kavita Phirozeshah St., Santa Cruz West, Bombay-400 054.	
22.	13956	Shri K. L. Somani, C/o Uganda Bags & Hessian Mills Ltd., P.O. Box 105, TORORO-UGANDA.	38.	15811	Shri S. S. Sokhi, Accounts Officer, Rakha Copper Project, Hindustan Copper Ltd., P.O. Rakha Copper Project, Singhbhum-Bihar.	
23.	14185	Shri T. R. Chaudhari, Chief Accountant, Akola Co- op. Spinning Mills, Amarouti Road, Akola (Maharashtra).	39.	15859	Shri C. S. Shah, Shanti Building, 2nd Floor, Flat No. 7, Bombay-400 009.	
24.	14255	Shri R. K. Kapoor, N-139, Greater Kailash, New Delhi-110048.	40.	16007	Shri C. H. Venkatesan, No. 15, Murrays Gate Road, Madras-18.	
25.	14308	Shri S. N. Jajoo, 161/1, Mahatma Gandhi Road, 3rd Floor, Room No. 68 Calcutta-7	41.	8495	Shri D. S. Master, 40-A, Surya Kiran, Pan Gully, August Karanti Marg, Bombay-400036.	
26.	14529	Shri A. Puri, House No. 49 Sector 4, Chaudigarh. 48, Peary Mohan Roy Road, Calcutta-27				
27.	14536	Shri K. K. Mitra, 48, Peary Mohan Ray Road, Calcutta-27.				
28.	14679	Shri R. G. Badjate, Near Municipal Hospital, P.O. Malkapur, Distt. Buldana.				
29.	14729	Shri B. B. Pandya, 7, Park View, S.V.P. Road, Kandivli (West)., BOMBAY-400 067.				
30.	14811	Shri B. L. Agarwal Addl. Accounts Officer, The Ganganagar Sugar Mills Ltd., Sriganganagar.				

The 31st May 1976

No. 4-SCA(1)/3/76-77.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (a) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has removed from the Register of Members of this Institute on account of death, with effect from 2nd July 1974, the name of Shri C. Srinivasulu, C/o Zambia Textiles Ltd., P. B. No. 204, Livingstone, Zambia. His membership number is 5132.

The 7th July 1976

No. 5-CA (1)/14/76-77:—With reference to this Institute's Notification No. 4-CA(1)/13/76-77 dated 18-5-1976, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of powers conferred

by Regulations 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

S. No.	Mem-ber-ship No.	Name and Address	Date Restoration.
1.	4602	Shri Subal Chandra Banerjee A.C.A., 62/3, Hindustan Park, Calcutta-29.	25-6-76
2.	7630	Shri K.G. Suscelan, F.C.A., University of Nigeria, Enugu Campus, ENUGU NIGERIA.	22-6-76
3.	10979	Shri Aspy Sorab Gotla, A.C.A., 27, Golazin Street, Jordan Ave, TEHRAN. IRAN.	5-7-76
4.	14400	Shri Ashok Kumar Mittal, A.C.A., C-14, T.D.C. Colony, P.O. Haldi, Distt. Nainital.	12-6-76

The 8th July, 1976.

No. 8CA(1)/7/76-77:—In Pursuance of Clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled for the period mentioned against their names, as they do not desire to hold their Certificate of Practice.

S. No.	Mem-ber-ship No.	Name and Address.	Period from which certificate shall stand Cancelled.
1.	16082	Shri Ranjan Chakraborty, A.C.A. 188-B, Block, Bangur Avenue, Calcutta-700055.	5-6-1976
2.	16112	Shri J.T. Shah, A.C.A., Kanchan Gauri Hosp. Bldg. Ground Floor, Dr. Bhejkar Street, Sunder V.P. Road, Bombay-400004.	8-3-1976

The 19th July, 1976.

No. 5-CA (1)/15/76-77 :- With reference to this Institute's Notification No. 4CA-(1)/20/75-76 dated 23-3-1976 (2) 4-CA (1)/17/74-75 dated 6-1-1975 (3) 4-CA(1)/14/76-77 dated 18-5-76

(4) 4-CA(1)/6/76-77 dated 18-5-76, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations 1964, that in exercise of powers conferred by Regulations 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Member with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

S. No.	Mem-ber-ship No.	Name and Address	Date of Restoration
1.	461	Shri Shamdas Udham Manghir-malani, A.C.A., Flat A-12, Acropolis, Little Gibbs Road No. 3, Malabar Hills, Bombay-400006.	26-6-76
2.	7001	Shri Subimal Chatterjee, A.C.A., 18-35, 38th Street, L.I.C., New York-11105.	8-7-76
3.	7117	Shri Jitendra Nath Dhar, A.C.A., 2, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-700013.	22-6-76
4.	5275	Shri Chandrasekhar Rajah Aiyar, A.C.A., APT 320-707, W. Sheridan Chicago, Illinois -60613.	16-7-76
5.	12508	Shri Rakshit Kumar Khosla, A.C.A. Bank Road, Civil Lines, Ludhiana.	29-6-76
6.	14626	Shri Raghunath Tibrewal, A.C.A., 36., Abinash Seshmal Lane, Calcutta-10.	8-7-76

P. S. GOPALAKRISHNAN,
Secy.

DEPARTMENT OF POSTS & TELEGRAPHS
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF POSTS & TELEGRAPHS

New Delhi-110001, the 16th July 1976

No. 25/14/76-LI.—Postal Life Insurance Policy No. 135380-P & 135381-P dated 3rd April 1968 for Rs. _____ held by Shri Noorullah having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment there-of has been stopped. The Dy. Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue a duplicate policy in favour of the insurant. The public are hereby cautioned against dealing with the original policy.

Sd./- ILLEGIBLE
Director (PLI)

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 13th July 1976

No. N-12(13)-4/76(P&D).—It is notified for general information that the Employees' State Insurance Corporation passed the following Resolution at its meeting held on 28th February 1976 :—

"Resolved that the Corporation's resolution dated 22nd March 1969 granting extended sickness benefit for tuberculosis and certain other diseases shall be replaced by the following resolution :—

Under the powers vested in it under Section 99 of the Employees' State Insurance Act, 1948 and in supersession of the Resolution dated 22nd March 1969 on the subject of Extended Sickness Benefit, the sickness benefit granted under the Employees' State Insurance Act, 1948 shall be extended for persons suffering from the diseases mentioned hereunder in the manner indicated below :—

1. List of diseases for which Extended Sickness Benefits is paid initially for 124 days :—

1. Tuberculosis.
2. Leprosy.
3. Mental Diseases (Psychoses).
4. Malignant diseases.
5. Paraplegia.
6. Hemiplegia.
7. Chronic congestive heart failure.
8. Immature cataract with vision 6/60 or less in effected eye.
9. Bronchiectasis.
10. Lung Abscess.
11. Myocardial infarction.
12. Dislocation and prolapse of intervertebral disc.
13. Parkinson's disease.
14. Aplastic Anaemia.
15. Cirrhosis of Liver with ascites.
16. Detachment of Retina.
17. Non-union or delayed union of Fracture.
18. Empyema.
19. Intra-cranial space occupying lesion.
20. Spinal cord compression.
21. Chronic (Simple) Primary glaucoma.

In addition to above list, cases of any rare disease or special circumstances which had not been included in the list, the Medical Commissioner may be authorised to sanction the payment of Extended Sickness Benefit for a maximum period upto 309 days depending on the merits of the cases on the recommendations of the Resident Deputy Medical Commissioner/ Medical Referee/ Administrative Medical Officer or his nominee.

2. To be entitled to the Extended Sickness Benefit, an insured person should have been at the beginning of a spell of sickness in which the disease is diagnosed, in continuous employment for a period of two years or more in a factory or establishment to which the benefit provisions of the Act apply.

Provided that where a person fails to qualify for Extended Sickness Benefit with reference to the first spell of sickness in which the disease is diagnosed, he shall not be debarred from qualifying the Extended Sickness Benefit in any subsequent

spell of disease if he can satisfy two years continuous service with reference to that spell.

A "spell of sickness" for this purpose shall mean a period of certified incapacity commencing with a first certificate and ending with a final certificate issued in terms of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950.

EXPLANATION :

Employment shall be held to be continuous (a) for period preceding 'A' Day, if the person was in continuous service as defined in Section 25 (B) of the Industrial Disputes Act, 1947 as amended by Act 36 of the 1964. (b) for periods after 'A' Day if the insured person has completed four contribution periods immediately preceding the relevant date and has fulfilled the contributory conditions for sickness benefit in any three contribution periods out of the aforesaid four contribution periods.

3. The Extended Sickness Benefit shall be granted only if the insured person is otherwise entitled to Extended Sickness Benefit as above but has exhausted the sickness benefit due to him under second proviso to Section 49 or is ineligible to sickness benefit in terms of Section 47 of the Employees' State Insurance Act.

4. Extended Sickness Benefit shall be payable for a maximum period of 124 days initially which may be extended to 309 days in Chronic suitable cases by Resident Deputy Medical Commissioner/Medical Referee/Administrative Medical Officer (Chief executive of the Employees' State Insurance Scheme in the State or his nominee) ON THE REPORT OF THE SPECIALIST, where abstention from work is recommended for a total period of more than 124 days for any listed disease.

5. Immature cataract with vision 6/60 or less in the affected eye shall include mature cataract, operation of the cataract and post operative treatment.

6. An Extended Sickness Benefit period shall consist of a period of 3 years from the date of commencement of the spell of certified incapacity for which an insured person is entitled to extended sickness benefit in case of Tuberculosis and from the date of diagnosis in the spell in case of any other disease.

7. The period of 124 days and where it is extended to 309 days may not be consecutive and shall exclude the days on which the insured person is entitled to sickness benefit at standard benefit rate.

8. The rate of Extended Sickness Benefit during an Extended Sickness Benefit period shall be 25% more than the standard benefit rate rounded to the next higher multiple of five paise applicable when the Sickness Benefit was last payable under the Act.

This will come into force with effect from 1st April 1976 and shall be given effect to as follows :—

- (i) The benefit at enhanced rate shall be admissible to all cases of extended sickness benefit which arise on or after 1st April 1976.
- (ii) Insured Persons whose cases of Extended Sickness Benefit are current on 1st April 1976 and where the insured persons have not already exhausted extended sickness benefit shall also be entitled to the benefit at the enhanced rate with effect from 1st April 1976.
- (iii) Insured Persons who may not have received Extended Sickness Benefit because of the fact that the decision regarding eligibility in their cases has not been taken before 1st April 1976, shall also be eligible at enhanced rate with effect from 1st April 1976 only.

9. The Extended Sickness Benefit shall be payable if the sickness due to any of the diseases listed in para 1, is duly certified in accordance with the Act and the Regulations.

10. After expiry of an Extended Sickness Benefit period, an insured person may qualify afresh for extended sickness benefit if he can satisfy the condition in para 2 again, provided that the condition of two years' continuous employment may be satisfied on a date following the date of termination of extended sickness benefit period in cases where the incapacity is due to any of the diseases shown in para 1, was continuing on the date of such termination.

11. Extended Sickness Benefit period in respect of any two diseases shall not run concurrently.

12. For claiming extended sickness benefit in respect of any disease under para 1, the eligibility condition in para 2 will have to be satisfied independently for each disease.

13. In case where an insured person suffers from disability arising from the administration of drugs/injections, the Director General may subject to such conditions as he may like to impose on the merits of the case, sanction extended sickness benefit for a maximum period of 309 days or until the invalidity lasts, whichever is earlier in addition to the normal sickness benefit, subject to the incapacity being certified at a rate which extended sickness benefit is payable to insured person in terms of para 8. Test of two years continuous service as applicable for the determination of entitlement of extended sickness benefit referred to in para 2 above will not, however, apply in such cases.

14. In case, enforcement of any particular provision of this resolution is likely to cause substantial hardship to the insured person including cases falling under para 5, the Director General may on humanitarian consideration relax the same.

15. This resolution would take effect from 1st April 1976 and shall be given effect to as follows :—

(i) The insured persons suffering from any of the diseases included in Group 'A' and 'B' as originally listed in Corporation Resolution dated 22nd March 1969 and who were eligible for extended sickness benefit in respect of a spell which commenced before the above date shall continue to be eligible to extended sickness benefit for 124/309 days as the case may be, during the Extended Sickness Benefit period of 3 years in accordance with the old resolution dated 22nd March 1969 till the spell is terminated.

(ii) All past cases not eligible in terms of Corporation Resolution dated 22nd March 1969 shall not be reopened."

The 15th July 1976.

No. N. 17/13/76-II (P&D)-(10):—In exercise of the powers conferred by sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has determined that in the establishments specified in the State Government of Orissa Notification No. IVS/4/41/76 /LEH dated 22nd June, 1976 issued under sub-section (5) of section 1 of the E.S.I. Act, 1948, extending the provisions of the said Act to those establishments, the first contribution and first benefit periods for Sets 'A', 'B' and 'C' shall begin and end in respect of persons in insurable employment on the appointed day of midnight of 3rd July, 1976 as indicated in the table given below :—

Set	First Contribution period		First benefit period	
	Begins on midnight of	Ends on midnight of	Begins on midnight of	Ends on midnight of
A . .	3-7-1976	29-1-1977	2-4-1977	29-10-1977
B . .	3-7-1976	25-9-1976	2-4-1977	25-6-1977
C . .	3-7-1976	27-11-1976	2-4-1977	27-8-1977

No. N. 17/13/76-II(P&D)-(11):—In exercise of the powers conferred by sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has determined that in the establishments specified in the State Government of Orissa Notification No. IVS/4/41/76 /LEH dated 22-6-1976 issued under sub-section (5) of Section 1 of the E.S.I. Act, 1948, extending the provisions of the said Act, to those establishments, the first contribution and first benefit periods for sets 'A', 'B' and 'C' shall begin and end in respect of persons in insurable employment on the appointed day of midnight of 4th September, 1976 as indicated in the table given below :—

Set	First contribution period		First benefit period	
	Begins on midnight of	Ends on midnight of	Begins on midnight of	Ends on midnight of
A . .	4-9-1976	29-1-1977	4-6-1977	29-10-1977
B . .	4-9-1976	26-3-1977	4-6-1977	31-12-1977
C . .	4-9-1976	27-11-1976	4-6-1977	27-8-1977

No. N-17/13/76-II (P&D)-(12) :—In exercise of the powers conferred by sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has determined that in the establishments specified in the State Government of West Bengal Notification No. 2480-1/SS/2H-45/74 dated 21-6-1976 issued under sub-section (5) of Section 1 of the E.S.I. Act, 1948, extending the provisions of the said Act to those establishments, the first contribution and first benefit periods for Sets 'A', 'B' and 'C' shall begin and end in respect of persons in insurable employment on the appointed day of midnight of 31-7-1976 as indicated in the table given below :—

Set	First contribution period		First benefit period	
	Begins on midnight of	Ends on midnight of	Begins on midnight of	Ends on midnight of
A . .	31-7-1976	29-1-1977	30-4-1977	29-10-1977
B . .	31-7-1976	25-9-1976	30-4-1977	25-6-1977
C . .	31-7-1976	27-11-1976	30-4-1977	27-8-1977

FAQIR CHAND

Director (Planning & Development)

New Delhi, the 9th July 1976

No. 1(1)-1/72-Estt.I(C.II).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 97, read with clause (xxi) of sub-section (2) and sub-section (2A) of that section, and sub-section (2) of section 17 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Employees' State Insurance Corporation hereby makes, with the approval of the Central Government, the following regulations further to amend the Employees' State Insurance Corporation (Staff and Conditions of Service) Regulations, 1959, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Employees' State Insurance Corporation (Staff and Conditions of Service) Amendment Regulations, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Employees' State Insurance Corporation (Staff and Conditions of Service) Regulations, 1959, for clause (vii)

of sub-regulation (5) of regulation 8, the following shall be substituted, namely :—

“(vii) Local Government or Central Government or Govt. of India or the President” means the Standing Committee of the Corporation.”

The 14th July 1976

No. 1(1)-1/72-Estt.I(Col.II).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 97, read with clause (xxi) of sub-section (2) and sub-section (2A) of that section, and sub-section (2) of section 17 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Employees' State Insurance Corporation hereby makes, with the approval of the Central Government, the following regulations further to amend the Employees' State Insurance Corporation (Staff and Conditions of Service) Regulations, 1959, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Employees' State Insurance Corporation (Staff and Conditions of Service) Amendment Regulations, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Employees' State Insurance Corporation (Staff and Conditions of Service) Regulations, 1959—

(i) in regulation 7,—

(a) in the heading, for the words “compulsory retirement”, the word “retirement” shall be substituted;

(b) in sub regulation (2), for the words “shall be compulsorily retired” the words “shall retire or shall be retired” shall be substituted; and

(c) in the second schedule for the words “compulsory retirement” wherever they occur, the words “retirement” shall be substituted.

The 17th July 1976

No. U-16/53/76-Med.II(Gujarat).—In pursuance of the resolution passed by the Employees' State Insurance Corporation at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon me the powers of the Corporation under Regulation 105 of the E.S.I. Corporation (General Regulations, 1950), I hereby rise the following medical officers to function as medical authority for the period shown against each with jurisdiction over Dhrangadhra and Surat for the purposes of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt.

Medical authority empowered & Period

1. Dr. K. L. Mehta, Medical Officer, Government Hospital, Dhrangadhra—24th May 1976 to 7th June 1976.

2. Dr. P. R. Desai, Offg. R.M.O. Civil Hospital, Surat—8th June 1976 to 15th June 1976.

T. N. LAKSHMI NARAYANAN,
Director General

KHADI AND VILLAGE INDUSTRIES

Statement of Accounts for

RECEIPTS

Particulars	Opening balance Rs.	Receipt Rs.	Refund Rs.	Closing balance Rs.	Rs.
ANNEXURE 'A'					
I. Loans Received from Government					
Khadi ..	55,80,62,290	7,56,54,439*	4,76,00,000£	58,61,16,729	
Village Industries ..	29,06,27,048	5,10,00,000@	2,15,00,000+	32,01,27,048	
TOTAL ..	84,86,89,338	12,66,54,439	6,91,00,000	90,62,43,777	90,62,43,777
II. Advances Received from Government					
Khadi ..	68,54,584	Transferred on Item No. III below			
Village Industries ..	1,43,929				
TOTAL ..	69,98,513				
III. Receipts from Government for Trading Operation					
Khadi ..	6,70,39,501	64,45,561A	—	7,34,85,062	
Village Industries ..	1,07,43,929	35,00,000 B	—	1,42,43,929	
	7,77,83,430	99,45,561	—	8,77,28,991	8,77,28,991
IV. Grants and Connected Receipts					
Opening balance including advance to State Boards & Institutions ..	2,99,69,958	96,00,792		3,95,70,750	
Grants Received from Govt. ..	7,62,00,000C	3,00,00,000		10,62,00,000	
ANNEXURE 'B'					
Refunds Received from Institutions ..					
(Unutilised Grants etc.) ..	7,95,599	11,97,514		19,93,113	
TOTAL ..	10,69,65,557	4,07,98,306		14,77,63,863	14,77,63,863
ANNEXURE 'C'					
V. Miscellaneous Receipts ..	2,65,399	12,73,010		15,38,409	15,38,409
ANNEXURE 'R'					
V. Recoverable Advances ..	57,939	3,72,128		4,30,067	4,30,067
ANNEXURE 'D'					
VI. Deposits					
Opening balance ..	—	1,04,049		1,04,049	
Receipts ..	—	11,223		11,223	
Less : Refunds ..	—	1,200		1,200	
NET BALANCE ..	—	1,14,072		1,14,072	1,14,072
ANNEXURE 'E'					
VII. Suspense					
Opening Balance ..	26,34,174	7,85,405		34,19,579	
Receipts ..	24,433	73,797		98,230	
TOTAL ..	26,58,607	8,59,202		35,17,809	35,17,809
ANNEXURE 'F'					
VIII. Trading Results					
Khadi ..	(—)30,59,365	5,03,596	5,25,173	(—)30,80,942	
Village Industries ..	(—) 1,62,263	3,15,623	2,28,947	(—) 75,587	
TOTAL ..	(—)32,21,628	8,19,219	7,54,120	(—)31,56,529	(—)31,56,529
ANNEXURE 'Q'					
IX. Contributory Provident Fund ..	2,13,09,767	55,18,345	24,26,070	2,44,02,042	2,44,02,042
GRAND TOTAL					1,16,85,82,501

COMMISSION, BOMBAY

the Year 1972-73 showing the Position as on 3-3-1973

PAYMENTS

Particulars		Opening balance Rs.	Paid during the year Rs.	Refund during the year Rs.	Closing balance Rs.	Rs.
ANNEXURE 'G'						
I. Loans Paid to the Institutions						
Khadi	..	55,44,44,785	3,39,85,401	69,71,046	58,14,59,140	
Village Industries	..	27,26,93,940	6,13,62,629	2,72,82,093	30,67,74,476	
TOTAL	..	82,71,38,725	9,53,48,030	3,42,53,139	88,82,33,616	
Imprest Advances to State Boards / Institutions						
Khadi	..	36,13,653	94,79,765	90,25,295	40,68,123	
Village Industries	..	1,29,21,119	5,59,23,368	5,55,61,815	1,32,82,672	
TOTAL	..	1,65,34,772	6,54,03,133	6,45,87,110	1,73,50,795	
GRAND TOTAL	..	84,36,73,497	16,07,51,163	9,88,40,249	90,55,84,411	90,55,84,411
II. Advances						
Khadi Cotton Purchase	..	25,27,104	} Transferred to item No. III below			
Village Industries	..					
ANNEXURE 'K'						
III. Investment in Trading Operations						
Khadi	..	6,37,91,884	1,44,44,859	79,98,067	7,02,38,676	
Village Industries	..	1,02,05,061	46,78,462	7,57,434	1,41,26,089	
TOTAL	..	7,39,96,945	1,91,23,321	87,55,501	8,43,64,765	8,43,64,765
ANNEXURE 'M'						
IV. Grants / Miscellaneous Payments		Khadi	Village Industries	Total		
Disbursements to Institutions during the year	..	5,89,31,263	1,38,36,857	7,27,68,120		
Imprest Advances with State Boards & Institution	..	63,73,068	60,24,255	1,23,97,323		
Weaving Subsidy Advances with Institutions		1,90,55,372	—	1,90,55,372		
ANNEXURE 'N'						
Administrative & Miscellaneous Expenses		1,18,84,608	1,52,41,751	2,71,26,359		
ANNEXURE 'R'						
Recoverable Advances	..	32,247	3,43,021	3,75,268		
Interest charged on Government Loans to Commission						
(a) Interest Payable to Government	.. 3,22,08,656	1,58,26,732				
(b) Less Subsidy received from Government	.. 3,20,73,180	1,49,85,535				
Balance paid	..	1,35,476	8,41,197	9,76,673		
TOTAL	..	9,64,12,034	3,62,87,081	13,26,99,115		
ANNEXURE 'P'						
V. Suspense	..	3,02,803	63,782	3,66,585		
VI. Bank						
Khadi Fund	..			1,06,69,983		
Village Industries Fund	..			58,00,319		
TOTAL				..	1,64,70,302	1,64,70,302

RECEIPTS

Statement showing the position about utilisation certificates to be received from State Boards, Institutions, etc. in respect of funds disbursed during 1970-71

Amount for which utilisation certificates were required to be furnished Rs.	UTILISATION CERTIFICATES RECEIVED		Refund of unspent Balance by State Boards Rs.	Balance Rs.
	Advised to Govt./Audit Rs.	Under process Rs.		
1,394.18	(Amount in Lakhs) 650.71	363.74	—	379.73

NOTE :

*Includes Rs. 50,00,000/- transferred from Khadi Grant Account Rs. 4,76,00,000/- on account of renewal of loans and excludes Rs. 64,45,561/- transferred to Khadi Trading Account.

£ Represents renewal of loans.

@Includes Rs. 2,15,00,000/- on account of renewal of loans and excludes Rs. 35,00,000/- transferred to Village Industries Trading Account.

† Represents renewal of loans.

A Represents transfer from Khadi Loan Account.

B Represents transfer from Village Industries Loan Account.

C Excludes Rs. 50,00,000/- transferred to Khadi Loan Account.

Place : Bombay, 30-10-1973.

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the foregoing accounts (including consolidated balance sheet of trading Fund) for the year 1972-73. I have obtained all the information and explanations that I have required and, subject to the observations made in the separate Audit Report, I certify, as a result of my audit, that, in my opinion, these accounts are properly drawn up to so as to exhibit a true and fair view of the State of affairs of the Khadi and Village Industries Commission, according to the best of my information and explanation given to me and as shown by the books of the Commission.

New Delhi ;

Dated : 3rd March 1975

Sd/- 3-3-75

G. N. PATHAK

Accountant General

PAYMENTS

VII. Imprest Cash			
Khadi Fund	..	33,17,592	
Village Industries Fund	..	13,77,689	
TOTAL	..	46,95,281	46,95,281
VIII. Contributory Provident Fund			
ANNEXURE 'Q'			
Investments in National Saving/			
Defence Certificate	..	2,18,85,500	
Bank		25,16,542	
TOTAL	..	2,44,02,042	2,44,02,042
GRAND TOTAL	..		1,16,85,82,501

Certified that the loans shown as outstanding on 31-3-1973 are realisable except the following amounts which are due from some institutions which are under liquidation or against which legal action has been taken for the recovery of loans which may not be recovered in full.

1. Khadi	Rs. 1,59,19,675
2. Village Industries	Rs. 73,04,576

Sd/-
Chief Accounts Officer
Khadi and Village Industries Commission.

Sd/-
Chief Executive Officer
Khadi and Village Industries Commission.

Sd/-
Chairman
Khadi and Village Industries Commission

